विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 30 अंक: 7	जयपुर 1 अक्टूबर, 2015	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:Jaipur City/207/2015-17	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य: 2.50

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

रेलवे स्टेशनों पर नि:शक्तजन को अधिक सुविधाएं देने पर होगा विचार:सिन्हा

पोलियोग्रस्त बच्चों के शल्य चिकित्सा शिविर का उद्घाटन

उदयपुर। केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री मनोज सिन्हा ने कहा है कि रेलों में यात्रा पर विकलांगों के लिए 50 प्रतिशत छूट है। लेकिन इसमें और रियायत पर मंत्रालय विचार करेगा। वे नारायण सेवा संस्थान के बड़ी परिसर में 251 पूर्व पोलियोग्रस्त बच्चों व किशोर-किशोरियों के दस दिवसीय नि:शुल्क शल्य चिकित्सा शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मंत्रालय रेलवे स्टेशनों पर नारायण सेवा संस्थान जैसी स्वयंसेवी संस्थाओं को विभिन्न सेवा कार्य के दायित्व देने पर भी विचार करेगा। पीड़ितों की सेवा कर निश्चित रूप से उनमें भगवान के दर्शन किये जा सकते हैं। इस अवसर पर उन्होंने मूकबधिर बच्चों के हस्त शिल्प को देखा और संस्थान में भर्ती विभिन्न राज्यों के विकलांगों से बातचीत कर उनके शीघ्र अपने पैरों पर खड़ा होने की कामना की। उन्होंने बिहार, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश आदि राज्यों के जरूरतमंद विकलांगों को ट्राई साइकिल एवं व्हील चेयर प्रदान की।

आरम्भ में संस्थान संस्थापक पद्मश्री कैलाश मानव ने रेल राज्यमंत्री का स्वागत करते हुए आग्रह किया कि उदयपुर के रेलवे स्टेशन सहित देश के अन्य रेलवे स्टेशनों पर वृद्ध विकलांगों की सहायता के लिए कियोस्क उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने उदयपुर का स्मार्ट सिटी के रूप में चयन करने के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया।

महापौर चन्द्र सिंह कोठारी ने कहा कि सेवा के लिए मन की जरूरत पड़ती है और यह नारायण सेवा संस्थान ने सिद्ध करके भी दिखाया है। भारतवासी पुनर्जन्म में विश्वास करते हैं इसलिए सेवा का पुण्य कार्य प्रत्येक को करना चाहिए। सांसद अर्जुन लाल मीणा ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान ने आदिवासी बहुल क्षेत्रों में न सिर्फ अपाहिजों बल्कि दीन दुखियों, निराश्रितों, वृद्धों की सेवा का बड़ा काम किया है। उन्होंने रेल राज्यमंत्री का इस बात के लिए आभार माना कि उन्होंने उदयपुर अहमदाबाद ब्राडगेज के लिए इस वर्ष 350 करोड़ रूपये का बजट आवंटित किया है। इससे उदयपुर दक्षिण भारत से जुड़कर विकास के नए आयाम तय करेगा। समारोह को संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल, दिल्ली के संत श्री दयालु जी महाराज, संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल व ट्रस्टी देवेन्द्र चौबीसा ने भी सम्बोधित किया। समारोह में जयपुर व अजमेर रेल मण्डल के अधिकारी तथा उद्यमी हरिश राजानी, पार्षद आशा बोर्दिया भी उपस्थित थे। संचालन महिम जैन ने किया।

भारतीय संकेत भाषा अनुसंधान केंद्र को मंजूरी

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक ने भारतीय संकेत भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी) को मंजूरी प्रदान की। यह संस्था पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक संस्था होगी। आईएसएलआरटीसी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निशक्तजनों के सशक्तिकरण से संबंधित विभाग के तत्वावधान में होगा। इसे प्रारंभ में नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट फॉर फिजिकल हैंडिकेप्ड में स्थापित किया जायेगा। इस फैसले से देश में सुनने में अक्षम 50 लाख लोगों की सहायता होगी। इससे उनकी शिक्षा, कार्यस्थल और सार्वजनिक जीवन की सभी गतिविधियों में पहुंच बढ़ेगी। ये केंद्र एक संस्था होगा जिसमें एक अध्यक्ष होगा और उसकी जनरल काउंसिल में 12 सदस्य होंगे। इसकी एक कार्यकारी परिषद भी होगी, जिसमें अध्यक्ष और 9 सदस्य, कुछ पदेन अधिकारी और सुनने में अक्षम लोगों के राष्ट्रीय स्तर के संगठनों/ विश्वविद्यालयों/अकादमिक संस्थानों के विशेषज्ञों के रूप में अन्य सदस्य तथा भारतीय संकेत भाषा (आईएसएल) के स्वतंत्र विशेषज्ञ होंगे।

इस समुदाय की समान आईएसएल और संबंधित मामलों से जुड़ी जरूरतें लंबे अरसे से नजरअंदाज की जाती रही हैं और इन समस्याओं को सुनने में अक्षम लोगों के लिए काम करने वाले विभिन्न संगठनों द्वारा दर्ज कराया जाता रहा है। यह केंद्र अकादमिक विकास, भारतीय संकेत भाषा के प्रशिक्षण और प्रचार का मार्ग प्रशस्त करेगा।

केंद्र संकेत भाषा के व्याख्याकारों का विकास, अनुसंधान एवं विकास तथा नई प्रौद्योगिकी पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित करेगा। इससे सुनने में अक्षम लोगों को जीवन के हर पहलू में पूरी तरह भाग लेने के समान अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

सक्षम का अभ्यास वर्ग सम्पन्न

जोधपुर। सक्षम के जोधपुर प्रांत का दो दिवसीय कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग हाल ही यहां पाल रोड स्थित सेवाधाम में सम्पन्न हुआ। सक्षम के राष्ट्रीय महामंत्री और वरिष्ठ प्रचारक डॉ.कमलेश कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे। अध्यक्षता सेवा भारती के प्रांतीय अध्यक्ष किशन गहलोत ने की।

इस अवसर पर सक्षम के प्रांतीय अध्यक्ष नवलकिशोर डागा और राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य महावीर उपाध्याय मौजूद रहे। क्षेत्रीय महामंत्री डॉ.हर्ष कुमार ने सक्षम के सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.राजेन्द्र व्यास ने किया।

विचार मंच

रहिमन चुप हो बैठिये, देखि दिनन के फेर।
जब नीके दिन आइहैं, बनत न लगिहैं देर॥

अर्थ: जब बुरे दिन आए हों तो चुप ही बैठना चाहिए, क्योंकि जब अच्छे दिन आते हैं तब बात बनते देर नहीं लगती।

-रहीम जी

लैंगिक-यौनिक विकलांगता

आंगिक विकलता प्रकृति का ऐसा कष्टकारक अभिशाप है, जिसे व्यक्ति आजीवन भोगने के लिए विवश होता है। मूक, बधिर, नेत्रहीन, हाथ-पाँव से अपंग आदि विकलांगों के सामान्य जीवन के लिए राज्य और समाज द्वारा अनेक प्रयास किए जाते हैं, किन्तु लैंगिक-यौनिक विकलांगता से ग्रस्त व्यक्तियों के जीवन को सामान्य बनाने और उन्हें मुख्य धारा में लाने का कोई समुचित उपाय अभी तक हमारे देश में नहीं किया गया है। एक तो ऐसी विकलांगता प्रारम्भ में माता-पिता और परिवार द्वारा छिपाई जाती है तथा ऐसे विकलांग बच्चों को उनकी हाल पर छोड़ दिया जाता है दूसरे तथ्य उजागर होने पर ऐसे बच्चों को किन्नरों की जमातों को परिवार द्वारा हमेशा के लिए सौंप दिए जाने का प्रचलन भारतीय समाज में हावी रहा है। आगे चलकर ऐसे बच्चे किन्नरों की जीवनगत विसंगतियों का हिस्सा बन जाते हैं और माता-पिता, परिवार तथा सामान्य समाज से सदैव के लिए दूर हो जाते हैं। इधर 11 दिसंबर, 2013 को समलैंगिकता को दंडनीय अपराध बताने वाला उच्चतम न्यायालय का फैसला आया नहीं कि पश्चिमी देशों और उनकी अतिवादी जीवन-शैली से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से समर्थित भारतीय समलैंगिक संसद पर दण्ड संहिता की धारा 377 को निर्मूल करने का दबाव बनाने पर उतारू हो गए हैं। उनकी ओर से उच्चतम न्यायालय में दायर पुनर्विचार याचिका भी 28 जनवरी 2014 को ख़ारिज हो चुकी है। इस मुद्दे पर संसद की रहनुमाई की आख़िरी चौखट अब और प्रभावशाली हो गई है। तो फिर उपाय क्या है? देश, समाज, किन्नरों, समलैंगिकों और भारतीय संस्कृति सब के पक्ष का संतुलन साधते हुए आखिर क्या किया जाना चाहिए? समलैंगिकों में अपनी आंगिक अक्षमताए एकाकी जीवन, समाज से कट जाने तथा माता-पिताए परिवार और समाज के स्नेह-सम्मान से वंचित हो जाने का भारी दर्द होता है। उनके पेट पालने की समस्या भी कम विकट नहीं होती। इस प्रकार वंचित कष्टमय जीवन, बेरोज़गारी और लैंगिक-यौनिक विसंगति के त्रिकोण में उनके द्वारा आंगिक रूप से अक्षम अपने जैसों के साथ मिलजुलकर जीवन-यापन की लालसा अस्वाभाविक नहीं है। किन्तु आंगिक रूप से अक्षम होते हुए उनके द्वारा अन्य रूप में, वैकल्पिक, अप्राकृतिक शारीरिक सम्बन्ध अनेक विसंगतियों और अपसंस्कृति को जन्म देता है। इसके समाधान के लिए हमें ऐसी वैयक्तिक जीवनियों का प्रासंगिक संग्रह तैयार करना चाहिए, जिससे उनके संजीवन आचार-विचार के आधार पर व्यावहारिक संहिता बनाकर प्रेरणात्मक तरीके से समलैंगिकों का जीवन वास्तविक रूप में सँवारा जा सके। इस उपक्रम में, आइए एक विहंगम दृष्टि डालते हैं, शारीरिक रूप से अक्षम तो नहीं, किन्तु विवाहित जीवन से दूर एकाकी जीवन को देश और समाज को समर्पित करके अपनी जीवन-रेखा से जिजीविषा और जीवन-संघर्ष का नया यथार्थ रचने वाले अपने जीवन की अनेक वंचनाओं को भारतीयता के महान संवाहक के रूप में सकारात्मक उपलब्धि और सुनाम सच्चरित्रता में तब्दील कर दिया। इनके जीवन-सार से यही ध्वनि आती है कि कोई भी प्रकृति प्रदत्त प्रतिकूलता और अभिशाप प्रकृति को लौटाया तो नहीं जा सकता, किन्तु देश और समाज के अनुकूल अपने श्रम, लगन तथा कृतित्व से वरदान में बदला जा सकता है।

क वि ता

मानवता का सम्मान-नेत्रदान

दूर क्षितिज पर सूरज की किरणों ने जब दम तोड़ा।
नीरवता सी छाई, छाया घनघोर अंधेरा।
ऐसे ही कुछ लोग इस दुनियां में जीते हैं
अंधियारे का आंसू पीकर अपना दर्द संजोते हैं।
यह जीवन तो क्षण भंगुर है,यह कब नश्वर हो जाए।
मरणोपरांत हम भी तो कुछ अपना कर्तव्य निभाएं।
मानवता का सम्मान करें, आओ नेत्रदान करें।
मिट्टी से हम सब पैदा हुए, इस मिट्टी का सम्मान करें।
धरती का कर्ज चुकाना है,हम भी अपनी आंखें दान करें।

-रेखा एकांकिनी

नि:शक्तजनों को किफायती स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने के लिए

स्वावलंबन स्वास्थ्य बीमा योजना

निशक्तजनों के सशक्तिकरण के लिए ग्रुप मेडिक्लेम पॉलिसी– स्वावलम्बन स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू करने के लिए ट्रस्ट फंड फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सन्स विद् डिसबिलिटीज और न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के बीच 21.09.2015 को सहमति पत्र पर हुए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के निशक्तजनों के सशक्तिकरण संबंधी विभाग के अंतर्गत ट्रस्ट फंड फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सन्स विद् डिसबिलिटीज ने निशक्तजनों को समग्र एवं किफायती स्वास्थ्य बीमा योजना-स्वावलम्बन स्वास्थ्य बीमा योजना उपलब्ध कराने के लिए आज (21.09.2015) न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए। ट्रस्ट फंड फॉर इम्पॉवरमेंट ऑफ पर्सन्स विद् डिसबिलिटीज के मानद सचिव अविनाश कुमार अवस्थी और न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड की महाप्रबंधक सुश्री नीरा सक्सेना ने निशक्तजनों के सशक्तिकरण संबंधी विभाग में सचिव लव वर्मा की उपस्थिति में सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

निशक्तजनों को अपना जीवन जहां तक हो सके स्वतंत्रता और गरिमा के साथ बिताने में सक्षम और समर्थ बनाने के लिए उन तक स्वास्थ्य सेवाओं और उनकी पहुंच की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। इस संदर्भ में, स्वास्थ्य बीमा की सुविधा बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है, लेकिन वर्तमान में ऐसे बीमा उत्पाद उनको आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाते। इस स्थिति में, स्वावलम्बन स्वास्थ्य बीमा योजना की परिकल्पना दृष्टिबाधित, कम दृष्टि, कुष्ठ रोग से निजात पा चुके, सुनने में अक्षम, लोको मोटर अक्षमता, मानसिक मंदता और मानसिक रोगों से पीड़ित लोगों को किफायती स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। इसका लक्ष्य निशक्तजनों के सामान्य स्वास्थ्य और जीवन की स्थितियों को बेहतर बनाना भी है।

यह योजना लाभार्थी को, साथ ही साथ उसके परिवार के सदस्यों (निशक्तजन, उसकी पत्नी अथवा पति और दो बच्चों तक) को समग्र कवर उपलब्ध कराने के लिए बनाई गई है। इस योजना के अंतर्गत समस्त ऐज बैंड में एकल प्रीमियम रहता है और 18 से 65 साल आयु वर्ग का कोई भी निशक्तजन जिसके परिवार की सालाना आमदनी 3,00,000 रुपये प्रति वर्ष से कम है, वह इस योजना का लाभ उठा सकता है। यह योजना पहले से मौजूद किसी स्थिति के लिए भी कवरेज उपलब्ध कराती है तथा फेमिली फ्लोटर के रूप में 2,00,000 रुपये प्रति वर्ष का स्वास्थ्य बीमा कवर उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित करती है। यह योजना राष्ट्रीय संस्थानों और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निशक्तजनों के सशक्तिकरण से संबद्ध विभाग के अंतर्गत निशक्तजनों के लिए कम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी) की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लागू की जाएगी। पंजीकृत संगठन जागरुकता जगाने और नामांकन के लिए बीमा कंपनी, सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, राष्ट्रीय संस्थानों और सभी हितधारकों के साथ संबंध स्थापित करेंगे। सहमति पत्र के अंतर्गत न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड अस्पतालों का एक नेटवर्क तैयार करेगी, जहां बीमित व्यक्ति को कैशलेस इलाज की सुविधा मिल सकेगी।

सहमति पत्र पर हस्ताक्षर होने के अवसर पर विभाग और न्यू इंडिया एश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नि:शक्तजनों को ट्राई साइकिल वितरित

जयपुर। भाजपा नि:शक्तजन सेवा प्रकोष्ठ व नि:शक्तजन कल्याण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में यहां आयोजित कार्यक्रम में नि:शक्तजनों को ट्राइसाइकिलों का वितरण किया गया। भाजपा नि:शक्तजन सेवा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजेश वर्मा ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि रोटरी क्लब जयपुर नार्थ के अध्यक्ष सोमेन्द्र शर्मा और विशिष्ट अतिथि समाजसेवी नरेश मेहता ने नि:शक्तजनों को ट्राइसाइकिलें प्रदान की। प्रकोष्ठ के जयपुर शहर के शहर संयोजक खेमचंद ने आभार व्यक्त किया।

आवश्यकता

कम्प्यूटर टीचर चाहिए

लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान, जयपुर को अपने प्रशिक्षण केन्द्र के लिए अनुभवी कम्प्यूटर टीचर चाहिए।

दृष्टिहीन अभ्यर्थी को प्राथमिकता।

सम्पर्क करें:

ओमप्रकाश अग्रवाल, सचिव मोबाइल नं. 093145 61988

विकलांग मंच कार्यालय: प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आईएएस)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आईआईएस)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन.के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चद्दा, कोटा। प्रबन्धक:धर्मपाल। E-Mail:vicklangmanch@ymail.com / vicklangmanch@gmail.com

मेगा विधिक शिविर में निःशक्तजन लाभांवित

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजीत सिंह के मुख्य आतिथ्य में जिले के बस्सी उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित विदेशी पशु प्रजन्न केन्द्र (कृषि फार्म) में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के तत्वावधान में जिला प्रशासन के सहयोग से विधिक चेतना एवं लोक कल्याणकारी योजनाओं के सम्बन्ध में मेगा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 6 हजार 857 व्यक्तियों को सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया।

मेगा शिविर में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सिंह एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायाधिपति अजय रस्तोगी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आवासीय भूखण्डों के पट्टे, भामाशाह कार्ड, इंदिरा आवास योजना के तहत लाभार्थियों को आवास स्वीकृति पत्र, कृषि विषय में अध्ययनरत छात्राओं को चैक, काश्तकारों को स्प्रे मशीन व मृदा हैल्थ कार्ड, स्वच्छता कार्ड, पेन्शन भुगतान के पीपीओ, बीपीएल परिवारों की प्रसुता महिलाओं को घी एवं छात्र-छात्राओं को नेत्र ज्योति के चश्में वितरित किये।

मेगा विधिक शिविर को सम्बोधित करते हुए राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायाधिपति अजय रस्तोगी ने कहा कि समाज को विधि चेतना एवं विधि की योजनाओं से अवगत कराने तथा पीड़ित व्यक्तियों को त्वरित न्याय दिलाने के लिए विधिक सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्राधिकरण का गठन किया गया है।

उन्होंने मेगा विधिक शिविरों के आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इन शिविरों में कल्याणकारी योजनाएं जिन व्यक्तियों के लिए बनी है, उन्हें इन योजनाओं का समय पर लाभ मिले, इस दिशा में यह अनूठी पहल की गयी है। उन्होंने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में अब तक 24 मेगा विधिक शिविरों का आयोजन किया जाकर 2 लाख 86 हजार से अधिक व्यक्तियों को कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा चुका है। जयपुर जिले के बस्सी में 25वां मेगा शिविर आयोजित किया गया है जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा 6 हजार 857 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सिंह एवं न्यायमूर्ति रस्तोगी ने मेगा विधिक शिविर का भ्रमण कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, बस्सी के महिला स्वयं सहायता समूहों एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी स्टॉल्स का अवलोकन किया तथा लाभान्वितों से रूबरू होते हुए कहा कि मेगा शिविर में कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जरूरतमन्द लोगों को लाभान्वित करने का सराहनीय प्रयास किया गया है।

मेगा शिविर में अतिथियों का स्वागत करते हुए जयपुर महानगर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश चन्द सोमानी ने कहा कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में राजस्थान सरकार के सहयोग से आयोजित किये जा रहे मेगा विधिक शिविर प्रदेश में एक अभिनव पहल है।

जिला कलेक्टर कृष्ण कुणाल ने जयपुर जिले में ज्यूडीसरी एवं जिला प्रशासन के सहयोग से बस्सी में आयोजित पहले मेगा विधिक शिविर की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए भारत सरकार के डाकतार विभाग की सुकन्या योजना, जयपुर विद्युत वितरण निगम की एलईडी उपलब्ध कराने की योजना सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में गहनता से जानकारी दी। कार्यक्रम के अन्त में जयपुर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालीक सचिव बालकृष्ण गोयल ने अतिथियों एवं आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

माता-पिता की सेवा करें
पेड़ बूढ़ा ही सही, आंगन में लगा रहने दो
फल न सही, छांव तो देगा....

पहले चरण में 15 हजार शिक्षकों की होगी भर्ती

अजमेर/जयपुर। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से आगामी एक पखवाड़े में अध्यापक पात्रता एवं भर्ती परीक्षा (रीट) की विज्ञप्ति जारी कर दी जाएगी। राज्य सरकार रीट के आधार पर प्रथम चरण में 15 हजार शिक्षकों की भर्ती करेगी। बोर्ड आगामी सत्र के लिए कक्षा 9 एवं 11 की नई पाठ्य पुस्तकों का ड्राफ्ट भी अक्टूबर तक शिक्षा विभाग को सौंप देगा। यह जानकारी शिक्षा राज्यमंत्री वासुदेव देवनानी ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अफसरों के साथ आयोजित बैठक के बाद दी। देवनानी ने आश्वस्त किया कि राजस्थान पाठ्य पुस्तक मंडल ड्राफ्ट के आधार पर नई पुस्तकें छपवाकर सत्र की शुरुआत के साथ ही विद्यार्थियों को उपलब्ध कराएगा। देवनानी ने बोर्ड अध्यक्ष प्रो.बीएल चौधरी एवं सचिव मेघना चौधरी के साथ रीट एवं अन्य महत्वपूर्ण मामलों पर बैठक ली। राज्य सरकार पहले चरण में 15 हजार पदों पर शिक्षकों की भर्ती करेगी। हालांकि देवनानी के पहले तीस हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान किया था। अब शिक्षामंत्री ने भर्ती आधी कर दी है।

राजस्थान रत्नाकर का 41वां वार्षिक अधिवेशन

जयपुर। दिल्ली में प्रवासी राजस्थानियों की प्रमुख स्वयं सेवी संस्था राजस्थान रत्नाकर की वर्ष 2015-16 की कार्यकारिणी में पुष्पेंद्र गोयल को सर्व सम्मति से पुन: प्रधान निर्वाचित किया गया है। चेयरमेन राजेन्द्र गुप्ता ने बताया कि चुनाव अधिकारी ओ.पी.बागला और रमेश जैन ने संस्था के 41वें वार्षिक अधिवेशन में इसकी घोषणा की।

उन्होंने बताया कि कार्यकारिणी में रतन पोद्दार एवं रमेश कानोड़िया को उपप्रधान, शंकर जयपुरिया को महामंत्री, सुमित गुप्ता को मंत्री, के.सी. लाट को कोषाध्यक्ष, सतीश गुप्ता को उपमंत्री बनाया गया है। अधिवेशन में चेयरमेन गुप्ता ने संस्था के 41 वर्षों के इतिहास पर प्रकाश डाला और बताया कि आगामी दिनों में समाज सेवा के कार्यों को और गति दी जावेगी। इस मौके पर महामंत्री जयपुरिया ने वर्ष 2014-2015 की वार्षिक रिपोर्ट पेश की।

वधु चाहिये

ब्यावर निवासी डॉ. राजीव शर्मा पुत्र श्री रामभरोसे शर्मा आयु 41 वर्ष, आरएमपी डाक्टर, प्राइवेट प्रेक्टिशनर्स, एक पैर से विकलांग के लिए वधु चाहिए। नि:शक्त महिला स्वीकार्य। सम्पर्क-2/24, गढ़ी थोरियान, मसूदा रोड, राजस्थान आवासन मण्डल, ब्यावर, जिला अजमेर-305 901 मोबाइल:096362

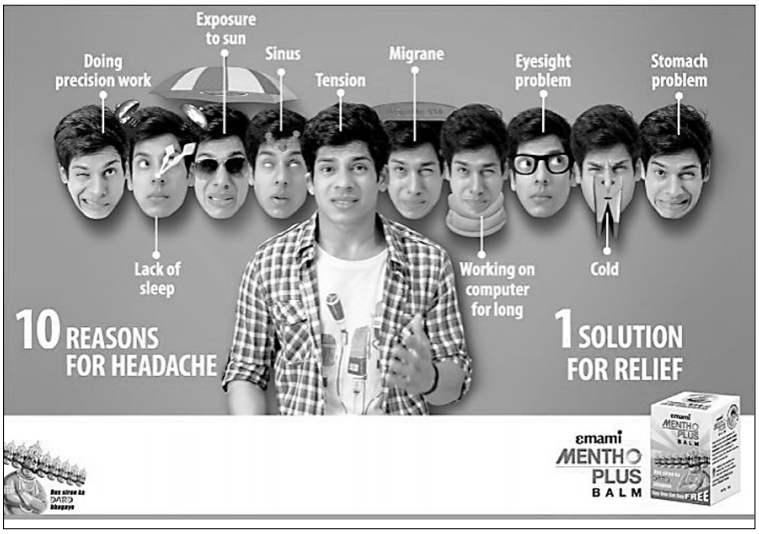

डेंगू बचाव होम्योपैथिक दवा वितरित

कोटा। आर्य समाज जिला सभा द्वारा शहर में जगह-जगह डेंगू से किस तरह बचाव किया जा सके, इस संबंध में जागरूकता शिविर व होम्योपैथिक दवाओं का वितरण किया जा रहा है। इसी क्रम में डीएवी स्कूल तलवंडी में भी एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक व आर्यसमाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा ने अपने उद्बोधन में बताया कि सकारात्मक सोच व खान-पान में साधारण बदलाव से डेंगू का उपचार कर किया जा सकता है। डेंगू के ज्वर से घबराने के बजाए उसका उपचार करें। डीएवी स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सरिता रंजन गौतम ने बताया कि अध्यापक-अध्यापिकायें अभिभावकों को भी उपयुक्त जानकारी दें।

प्रेस क्लब में भी दवा का वितरण

आर्य समाज जिला सभा कोटा द्वारा पिछले कई दिनों से विभिन्न स्थानों पर औषधीय काढ़ा नि:शुल्क वितरित किया जा रहा है तथा होम्योपैथिक फिजिशियन डॉ. के.एल.दिवाकर, डॉ. मनोज गुप्ता, डॉ. कुलवंत गौड़ द्वारा तैयार की गई होम्योपैथिक दवाईयां भी वितरित की जा रही हैं। आर्य समाज के सहयोग से प्रेस क्लब कोटा में डेंगू से बचाव हेतु होम्योपैथी दवाईयों का शिविर लगाकर वितरण किया गया। शिविर का शुभारंभ आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चढ्डा और प्रेस क्लब के अध्यक्ष धीरज गुप्ता तेज ने किया। शिविर में डॉ. मनोज गुप्ता एवं श्रीमती संगीता संकल्प ने होम्योपैथिक दवाईयों का वितरण किया। इस अवसर पर आर्यसमाज रामपुरा के प्रधान कैलाश बाहेती, विज्ञाननगर के प्रधान जे.एस. दुबे, रामप्रसाद याज्ञिक, चन्द्रमोहन कुशवाह एडवोकेट, प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नीरज गुप्ता, सचिव हरिमोहन शर्मा, उपाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष मालसिंह शेखावत, कार्यकारिणी सदस्य प्रताप सिंह तोमर, गिरीश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार बद्रीप्रसाद गौतम, ओमेन्द्र सक्सेना, असलम रोमी, संजय वर्मा, शैलेन्द्र मेड़तवाल, हलीम रेहाम सहित अन्य पत्रकार मौजूद थे।

शिक्षण संस्था प्रयास का निरीक्षण

विशेष बच्चे समाज की अमूल्य धरोहर

भिवानी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलजीत सिंह ने स्थानीय पुराने बस स्टैंड के समीप नि:शक्त बच्चों की पढ़ाई के लिए चलाई जा रही शिक्षण संस्था प्रयास का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां पढ़ रहे बच्चों से बातचीत की और उन्हें उपहार भेंट किए।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलजीत सिंह ने इस अवसर पर कहा कि ये विशेष बच्चे समाज की अमूल्य धरोहर है। इन बच्चों के लालन-पालन व शिक्षा में अभिभावकों तथा शिक्षकों को पूरा ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी अशक्त बच्चे को परिवार या समाज अपने ऊपर भार न माने। इन बच्चों को आगे बढ़ने का पूरा अवसर दिया जाए तो ये भी अपनी क्षमता को विकसित कर सकते है।

बलजीत सिंह ने प्रयास संस्था की प्राचार्या सुमन भूरिया से यहां की समस्याओं के बारे में पूछा। प्राचार्या ने बताया कि इस क्षेत्र में सीवरेज लाईन जाम की दिक्कत बनी हुई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने तत्काल जनस्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियन्ता संजीव त्यागी को सीवरेज पाईप लाईन की सफाई करवाने के निर्देश दिए। बलजीत सिंह ने बच्चों को अपनी ओर से मिठाईयां भेंट की और उनसे पढ़ाई को लेकर प्रश्न पूछे। जवाब देने पर उन्होंने बच्चों को शाबासी दी।

इस मौके पर सीजेएम व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण सचिव श्रीमति स्वाति सहगल, दयानंद सैनी एडवोकेट, सुधाकर पांडे, कमलजीत, एस.के. मुंजाल इत्यादि मौजूद थे।

दीव में विकलांगता निवारण शिविर का आयोजन

दीव। दमण-दीव समाज कल्याण विभाग एवं दीव जिला प्रशासन की ओर से दीव में विकलांगता निवारण शिविर का आयोजन किया गया। विकलांगता निवारण शिविर का उद्घाटन दीव कलेक्टर विक्रम सिंह मलिक ने दीप प्रज्जवलित कर किया। इस शिविर में दीव वात्सल्य संस्था का भी सहयोग रहा। वात्सल्य संस्थान परिसर में आयोजित विकलांगता निवारण शिविर में जिला कलेक्टर के साथ डिप्टी कलेक्टर तनवीर अहमद, जिला पंचायत सीईओ श्यामलाल शर्मा, एसडीपीओ गिरीराज सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमृतलाल बारिया, दीव म्युनिसिपल उपाध्यक्ष हरेश कापडिया, मामलतदार चामुंडा, स्नेह निर्जर संस्थान राजकोट के सचिव दीपेश कानाबार, हेल्थ ऑफिसर डॉ.महेश वैश्य, डॉ. डी.एस. कामलिया, मनोचिकित्सक कल्पेश चंद्राणी, दीव सरकारी अस्पताल के सीनियर सर्जन संजय वर्मा, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ.कपिल सोलंकी, नेत्र विशेषज्ञ डॉ.सोजित्रा, वात्सल्य संस्थान के सचिव उस्मान वोरा, सीडीपीओ सुभद्राबेन एवं आंगनवाडी बहनों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर दीव कलेक्टर विक्रम सिंह मलिक ने कहा कि समय-समय पर विभागों द्वारा आम जनता की सुविधा के लिए ऐसे आयोजनों का किया जाना आवश्यक है जिससे कि आमजन को राहत मिल सके। इस मौके पर समेकित बाल संरक्षण योजना के प्रोग्राम मैनेजर संजीव कुमार पण्ड्या ने बताया कि समाज कल्याण विभाग के सचिव विनोद कावले के मार्गदर्शन एवं समाज कल्याण विभाग निदेशक मिताली नामचूम तथा दीव जिला कलेक्टर विक्रम सिंह मलिक के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग की ओर से दीव जिले के विकलांग व्यक्तियों की सहायता के लिए इस सहायता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें दीव जिले में निवास करने वाले सभी विकलांग व्यक्तियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच कर परामर्श दिया गया। इसके साथ ही संजीव कुमार पण्ड्या ने बताया कि इस शिविर में जरूरतमंद विकलांग व्यक्तियों को सहायता सामग्री भी वितरित की गई। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विकलांग व्यक्तियों की जांच एवं उनके उचित चिकित्सा परामर्श के साथ ही उन्हें सरकार द्वारा प्रदत्त सुविधाओं को प्रदान करना है। इस शिविर का आयोजन समेकित बाल संरक्षण योजना समाज कल्याण विभाग के सांख्यिकीय अधिकारी सी.एम.बंगाल के मार्गदर्शन में प्रोग्राम मैनेजर संजीव कुमार पण्ड्या एवं उनकी टीम ने किया।

स्थापना दिवस समारोह मनाया

दिल्ली। फैमिली ऑफ शिरडी साई बाबा द्वारा अपना स्थापना दिवस समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के विद्यार्थियों ने रंगारंग

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुलतानपुरी थाना अध्यक्ष किशन कुमार रहे। समारोह में संस्था की अध्यक्ष चंचल अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया एवं महासचिव वन्दनी शर्मा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में समाजसेवी नेशनल अवार्डी कपिल कुमार अग्रवाल, बंटी सोलंकी सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

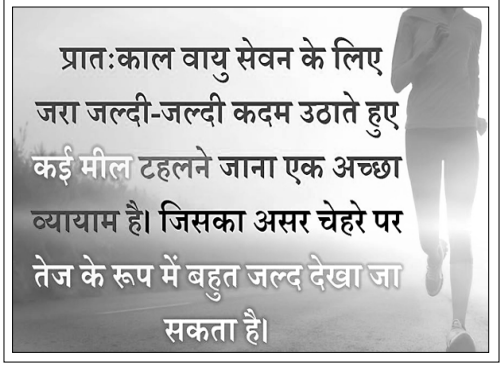

चित्रों में बयां हुईं विशेष भावनाएं

दिशा के बच्चों के बनाए 150 चित्र हुए प्रदर्शित

जयपुर। विशेष बच्चों के लिए कार्यरत दिशा संस्थान की ओर से संस्थान के विशेष बच्चों की ओर से बनाई गई पेंटिंग्स की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

जेएलएन मार्ग स्थित होटल क्लार्क्स आमेर के वुल्फ रेस्टोरेंट में आयोजित की जा गई इस सात दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन वरिष्ठ चित्रकार विद्यासागर उपाध्याय ने किया।

प्रदर्शनी में संस्थान के विशेष बच्चों की ओर से बनाए गए करीब 150 चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। इस दौरान संस्था के बाल चित्रकारों ने चित्रकारी का लाइव डेमो भी दिया। प्रदर्शित किए गए चित्रों में कहीं प्रकृति का सौंदर्य था, तो कहीं पक्षियों का कलरव। कहीं मानव मन की विचित्रताएं थीं, तो कहीं कुदरत के रंगों का करिश्मा। हर चित्र अपने-आप में इतना उम्दा था कि निहारने वालों की आंखें ठहर गईं।

कार्यक्रम के दौरान दिशा की फाउंडर पी.एन. काबुरी, निदेशक कविता अपूर्वा वर्मा और सह-निदेशक रोमिना एस. पितांबर सहित कई कलाप्रेमी मौजूद थे।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के 36 अधिकारियों के स्थानांतरण

जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में 36 अधिकारियों के स्थानांतरण एवं पदस्थापन किए गए हैं। आदेश के अनुसार श्यामसुन्दर जोशी को संयुक्त निदेशक, समाचार मुख्यालय जयपुर, कमलेश शर्मा को सहायक निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय डूंगरपुर, मनमोहन हर्ष को सहायक निदेशक (पंजीयन), रामफूल गुर्जर सहायक निदेशक को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, दीपक दत्त आचार्य सहायक निदेशक को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, उदयपुर, मोहन लाल गुप्ता सहायक निदेशक सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, झालावाड़ एवं प्रेमप्रकाश त्रिपाठी का सहायक निदेशक ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग एवं मनरेगा के पद पर स्थानांतरण किया गया है।

इसी प्रकार गोविन्द शर्मा जनसम्पर्क अधिकारी लोकायुक्तालय जयपुर, जसराम मीणा सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी सार्वजनिक निर्माण विभाग, मानसिंह मीणा, जनसम्पर्क अधिकारी भरतपुर, दिनेश कुमार मुद्गल, जनसम्पर्क अधिकारी सवाई माधोपुर, रामजीलाल मीणा जनसम्पर्क अधिकारी दौसा, हरिओम गुर्जर जनसम्पर्क अधिकारी कोटा, रणवीरसिंह राही जनसम्पर्क अधिकारी करौली, विवेक जादौन, जनसम्पर्क अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय जयपुर, विकास हर्ष जनसम्पर्क अधिकारी चूरू एवं रजनीश शर्मा का जनसम्पर्क अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय जयपुर के पद पर स्थानांतरण किया गया है।

इसके अलावा सुश्री पूनम खण्डेलवाल को सहा.जनसम्पर्क अधिकारी राजस्थान आजीविका एवं कौशल विकास निगम (श्रम एवं नियोजन विभाग), सुश्री धर्मिता चौधरी सहा.जनसम्पर्क अधिकारी मुख्यालय जयपुर, अपूर्व शर्मा सहा. जन सम्पर्क अधिकारी टोंक, आशाराम खटीक सहा. जनसम्पर्क अधिकारी बून्दी, तुलसीराम कण्डारा सहा. जनसम्पर्क अधिकारी राजसमन्द, गजाधर भरत सहा. जनसम्पर्क अधिकारी मुख्यालय जयपुर, सुनील कुमार बिजारणिया सहा. जनसम्पर्क अधिकारी मुख्यमंत्री कार्यालय जयपुर एवं रविन्द्र सिंह सहा. जनसम्पर्क अधिकारी मुख्यालय जयपुर तथा श्रीमती कृष्णा चतुर्वेदी सहा. जनसम्पर्क अधिकारी को सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय जयपुर के पद पर लगाया जाता है।

इसी प्रकार रमन लाल मीणा को सहायक जनसम्पर्क अधिकारी करौली, सुश्री संतोष कुमावत सहा. जनसम्पर्क अधिकारी निदेशालय जयपुर, बद्री विशाल चारण सहा. जनसम्पर्क अधिकारी जालौर, संतोष प्रजापत सहा. जनसम्पर्क अधिकारी अजमेर, विनोद कुमार मालपुलिया सहा. जनसम्पर्क अधिकारी ब्यावर, हरिशंकर आचार्य सहा. जनसम्पर्क अधिकारी बारां, रामलाल वर्मा जनसम्पर्क अधिकारी जैसलमेर, हेतप्रकाश शर्मा सहा. जनसम्पर्क अधिकारी जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग जयपुर एवं राजेश यादव सहा. जनसम्पर्क अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जयपुर तथा अजय कुमार का सहा. जनसम्पर्क अधिकारी सीकर के पद पर स्थानांतरण किया गया है।

नि:शक्तजन विद्यार्थियों को रोडवेज व रेलवे पास फ्री मिलेंगे

जोधपुर। शिक्षा विभाग की माध्यमिक व उच्च माध्यमिक स्कूलों के नि:शक्तजन विद्यार्थियों को रोडवेज व रेलवे पास नि:शुल्क दिए जाएंगे। इसके अलावा कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण के लिए भी चयन किया जाएगा और मेडिकल एवं शैक्षणिक आवश्यकताओं के आकलन हेतु शिविर लगाए जाएंगे।

मेंढ़क जोड़ेंगे घुटनों की क्षतिग्रस्त कार्टिलेज

आस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन के बाद बताया गया है कि मेंढ़क अब इंसान की क्षतिग्रस्त हड्डियां ठीक करने के काम भी आएंगे। इन वैज्ञानिकों का कहना है कि मेंढ़क की दो कम ज्ञात प्रजातियों की त्वचा से प्राप्त चिपचिपे पदार्थ (ग्लू) से इंसानों के क्षतिग्रस्त घुटनों की मरम्मत की जाएगी। यह ग्लू आस्ट्रेलिया में पाए जाने 'नोटाडेन' की दो प्रजातियों के मेंढ़कों से प्राप्त होता है, जो आमतौर पर जमीन की सतह से एक मीटर तक नीचे रहते हैं। ये मेंढ़क केवल मूसलाधार बारिश के समय ही सतह पर निकलते हैं और चूंकि उस मौसम में उन्हें कीड़ों से खतरा बना रहता है, इसलिए इन कीड़ों से बचने के लिए उनकी त्वचा से प्राकृतिक तौर पर ही चिपचिपे पदार्थ का स्राव शुरू हो जाता है, जिससे कीड़े इनकी त्वचा से चिपक जाते हैं, जो बाद में इन मेंढ़कों का भोजन बनते हैं।

'द यूनिवर्सिटी ऑफ एडीलेड' के अनुसंधानकर्ताओं को मेंढ़कों में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले इस लसलसे पदार्थ के इस्तेमाल से भेड़ों के घुटने की क्षतिग्रस्त कार्टिलेज की मरम्मत करने में तो सफलता भी मिल चुकी है। उल्लेखनीय है कि इस ग्लू की मदद से ही मेंढ़क कीड़ों का शिकार करते हैं। अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि मौजूदा समय में इस्तेमाल होने वाले मेडिकल एडेसिव के मुकाबले मेंढ़कों की त्वचा से प्राप्त लसलसा पदार्थ अधिक कारगर है और इसी ग्लू की मदद से ये विज्ञानी दवा बनाने के प्रयासों में जुटे हैं।

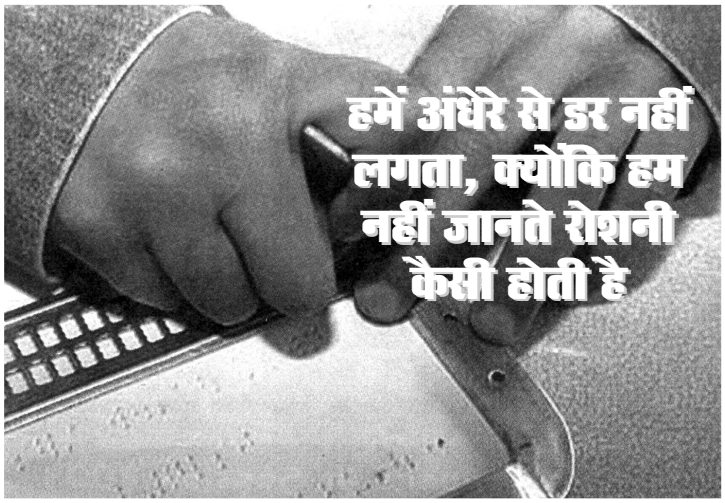

इसके बाद भी दृष्टिहीनों में एक सक्षम नागरिक बनने की असीमित क्षमता है। उन्हें चाहिये विशेष प्रशिक्षण एवं सुविधाएँ। सक्षम नागरिकों का दायित्व है, इस कार्य में सहयोग करना।

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान

एच-32, बढ़ारणा, टेलीकॉम ट्रेनिंग सेन्टर के पीछे, वाया रोड नं. 14,
वी.के.आई. एरिया, जयपुर-302013

कम्प्यूटर प्रशिक्षण का समापन

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान की ओर से नि:शुल्क चलाए जा रहे नि:शक्तजनों के लिए विभिन्न प्रशिक्षणों के क्रम में 90 दिवसीय कम्प्यूटर प्रशिक्षण बैच का समापन हुआ। संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने विभिन्न राज्यों के पूर्वपोलियोग्रस्त 13 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस अवसर पर प्रशिक्षक राधिका सुथार व परियोजना प्रभारी यशोदा पणिया उपस्थित थे।

भाजपा नि:शक्तजन सेवा प्रकोष्ठ की बैठक

जयपुर। भाजपा नि:शक्तजन सेवा प्रकोष्ठ की ओर से पार्टी के प्रदेश कार्यालय में मीटिंग रखी गई मीटिंग की अध्यक्षता खिल्लीमल जैन पूर्व आयुक्त नि:शक्तजन ने की उन्होंने बताया कि राष्ट्र संघ ने 3 मई 2007 को संयोजन पारित किया जिसे भारत सरकार ने स्वीकार किया हुआ है।

सरकार को कानून बनाना था परन्तु अभी तक नहीं बनाया है संसद् में बिल 3 साल से लम्बित पड़ा है नि:शक्तों के अधिकार के लिए कोई कानून नहीं है कि उसके साथ कोई गलत व्यवहार करे तो उसे दण्ड मिले कार्यकर्ताओ ने मांग की कि विद्यालय सहायक के लिए भर्तियो में नि:शक्तजन को 2011 के नियम में छूट है परन्तु सरकार देना नहीं चाहती है। उसमें अनुभव का प्रावधान कर दिया गया।

जैन ने बताया कि पिछली मीटिंग में सामाजिक न्याय एवम् अधिकारिता मंत्री अरुण चतुर्वेदी ने घोषणा की थी कि 10000 रूपये जमा करने पर मोटर ट्राई साईकिल दी जायेगी परन्तु आजतक कुछ अमल नहीं हुआ प्रकोष्ठ की ओर से बताया कि प्रदेश आयुक्त नि:शक्तजन का पद काफी दिनों से खाली चल रहा है उसके लिए पूरे प्रकोष्ठ की तरफ से मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को ज्ञापन भेजकर शीघ्र नियुक्ति की मांग की है।

साथ ही जरनैल सिंह जम्मू ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मांग की है कि विधवा तलाकशुदा, नेत्रहीन बोलने मैं असमर्थ वृद्ध व्यक्तियों की स्वीकृत पैशन भामाशाह प्लेटफार्म से सीधे खाते मैं न करके मनीआर्डर द्वारा भिजवाई जावे।

मीटिंग में उपस्थित राजेश वर्मा, डा. आशीष शर्मा, हरभजन सिंह मेहरा, डा. आर.एस. चौहान, सुरेश शर्मा आदि ने अपने विचार रखे। काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे। प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित विशेष योग्यजन साधना मलिक सिंह भी उपस्थित थीं।

पूर्व दस्युओं के महाकुम्भ को सीमा परिहार का समर्थन

मोदी स्वच्छ भारत से जोड़ें पूर्व दस्युओं को

जयपुर। श्री कल्पतरु संस्थान की ओर से जयपुर में प्रस्तावित पर्यावरण को समर्पित पूर्व दस्युओं के महाकुम्भ पहले बसाया बीहड़, अब बचाएंगे बीहड़ को आज अपने ज़माने की खुख्यात दस्यु सुन्दरी सीमा परिहार ने समर्थन दिया है

अभियान को लेकर समर्थन मांगने गए संस्थान अध्यक्ष विष्णु लाम्बा से सीमा परिहार ने अपने अनुभव साँझा करते हुए कहा की तेरह साल की उम्र में अपहरण कर दस्यु उठा ले गये और तभी से बन्दूक उठा ली। पुलिस मुठभेड़, लूट, सहित कुल उन्तीस मुक़दमे थे, जिनमे चार हत्याएं थे। आदमी मजबूरी में चम्बल में जाता है, कोई मर्जी से दस्यु नहीं होना चाहता। औरैया जिले में अधिकारियों के समक्ष एक दिसम्बर सन दो हजार में समर्पण किया, मुझे दोष मुक्त किया गया था। ख़ौफ़ऐसा था की जिस दिन मैं जैल गई, जैल में सजा काट रहे अन्य कैदी रात को पेसाब करने नहीं निकले थे। मेरा बच्चा तब मेरी गोद में था। जैल में पेंतीस अन्य महिला कैदी थी। दो हजार चार में रिहा हुई। बाद में दो हजार छ में मेरे भाई को झूंठे एनकाउंटर में मरवा दिया गया।

चम्बल के इतिहास में सीमा परिहार पहली महिला डकैत रही जिसने बागी रहते बच्चे को जन्म दिया। वे कहती है की असली डकैत तो बाहर बैठे है। चम्बल में तो अन्याय के खिलाफ़ बोलने वाले लोग थे। बिग बॉस में बारह हफ़्ते रही सीमा ने कहा की सलमान खान व्यवहार कुशल है लेकिन डोली बिंद्रा और स्वेता तिवारी के झगड़ो को लेकर पूछे सवालों पर सीमा ने कहा की चम्बल के अनपढ़ से भी गंवार लोग है पढ़े लिखे, चम्बल के आदमी को एक बार में बात समझ में आ जाती है लेकिन डोली जैसे लोग पढ़े लिखे गंवार है। बिग बॉस अनुमति देते तो डोली बिंद्रा से ज्यादा गालियां मैं भी दे सकती थी लेकिन अनुशासन नहीं तोड़ सकते थे। बिग बॉस में दुबारा जाने का मौका मिलेगा तो वहां पेड़ जरूर लगाउंगी।

सीमा परिहार के जीवन पर फिल्म वुंडेड भी बनाई जा चुकी है। वे बताती है की अमरुद, आम और नीम जैसे फल व छायादार जैसे पेड़ मैनें अपने खेतो में लगाए है। जब बागी जंगल में था तो पेड़ बचाते थे। जिस जंगल में मैं रही, अगर वहां आज जाते है तो विश्वास नहीं होता की क्या यह वही जंगल है। तब बहुत घना था, आज पेड़ काटे जा रहे है। श्री कल्पतरु संस्थान की इस अनूठी मुहीम की सराहना करते हुए सीमा ने कहा की कोई तो है जिसने फिर दस्युओं की तरफ मुड़ के देखा है। प्रधानमंत्री मोदी जी सहयोग करें तो अपने गाँव के साथ पास के गाँवों को भी आदर्श बनाएंगे। उन्होंने कहा की मोदी जी दस्युओं को अपने स्वच्छ भारत मिशन का हिस्सा बनाते है तो ये दस्युओं का सौभाग्य होगा।

करेला
www.facebook.com/AcharyaBalkrishanJi
करेला सिर्फ मधुमेह में ही नहीं अपितु अन्य रोगों में भी लाभप्रद है| करेले में मौजूद antioxidants से metabolic rate बढ़ता है जिससे पाचन सम्बन्धी समस्याएं दूर होती हैं|यह लीवर की सफाई करता है तथा इसकी कोशिकाओं के निर्माण में सहायता करता है अतः करेले के सेवन से लीवर की समस्याएँ कम होती हैं|

नो निगेटिव लाइफ
अच्छा उदाहरण

चीनः बूढ़ी मां की सेवा के लिए हाथ नहीं, हौसला ही काफी है...

ये कहानी है दुनिया की शायद सबसे खुशनसीब मां वेई झुएक्झू की। 80 साल की हैं। वो चीन के शांक्सी जिले के छोटे से गांव बाओजी में रहती हैं। उनका 43 साल का बेटा झांग जियांलाउ लोगों के लिए मिसाल बना हुआ है। दरअसल जियांलाउ जब 11 साल का था तब एक कार हादसे में उसके दोनों हाथ कट गए थे। लेकिन उसने कभी शारीरिक अक्षमता को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। वह अपने खेत का पूरा काम करता है। घर भी संभालता है। मां का पूरा ख्याल रखता है। खाना तक खुद पकाता है। अब वो मां के लिए पक्का मकान भी बनवा रहा है।

मां शुरू से मेरी देखभाल करती रही है। कभी मुझे एहसास भी नहीं होने दिया कि मेरे हाथ नहीं है। अब वह बूढ़ी हो गई है। इसलिए मेरी जिम्मेदारी है कि उसके बुढ़ापे की लाठी बनूं।- झांग जियांलाउ

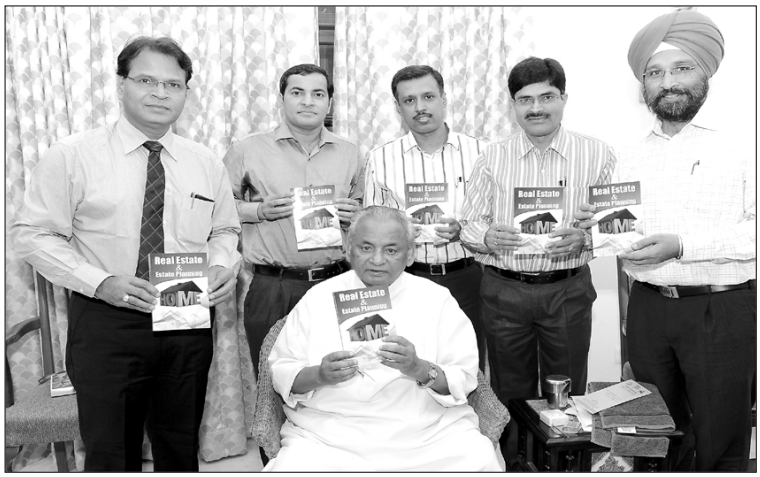

राज्यपाल को रीयल एस्टेट एण्ड एस्टेट प्लानिंग पुस्तक भेंट

जयपुर। राज्यपाल कल्याण सिंह को यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक डॉ. योगेश शर्मा ने अपनी कृति ''रीयल एस्टेट एण्ड एस्टेट प्लानिंग'' भेंट की। इस मौके पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव गिरीराज सिंह, विशिष्ट सचिव राजेश कुमार गुप्ता, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के उपमहाप्रंबधक सी.एस.चन्द्रशेखर और सहायक महाप्रंबधक सुभाष शर्मा एवं हरविन्दर सिंह भाटिया मौजूद थे।

युवा पीढ़ी सकारात्मकता से सफलता के लिए आगे बढ़ें

जोधपुर। गृह मंत्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि युवा पीढ़ी मन में कभी निराशा नहीं लाए, अपने अन्तर्मन में झांककर सकारात्मता से सफलता के लिए आगे बढ़ें और अपनी मंजिल तय करें।

कटारिया जोधपुर में उत्कर्ष संस्थान की गौरवपूर्ण अकादमिक यात्रा एवं 13वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आदर्श विद्या मंदिर केशव परिसर कमला नेहरू नगर में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि लक्ष्यपरक सोच के साथ नौजवानों को आगे बढ़ने की जरूरत है। केवल सपने देखने से संतुष्टि नहीं मिलती, युवाओं को सपने पूरा कर साबित करने के प्रयास करने चाहिए। युवा पीढ़ी की क्षमता को उजागार करने, तराशने के प्रयासों की जरूरत है। गरीबी के कारण कोई प्रतिभा वंचित नहीं रहे ऐसी कोशिश की जानी चाहिए। युवा निश्चय की भावना से आगे बढ़ेंगे तो उनको मंजिल तक पहुंचने में सफलता मिलेगी। उन्होंने आई. ए. एस. गोविन्द जायसवाल के परिश्रम एवं संघर्ष पर चर्चा करते हुए कहा कि एक व्यक्ति छोटे से प्रयास से रोशनी फैला सकता है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़ ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि कोई भी व्यक्ति लक्ष्य के साथ मंजिल तक पहुंचने का संकल्प लेकर परिश्रम करें तो वह अवश्य ही मंजिल प्राप्त करता है।

पैरों को ही बना लिया हाथ इन साहसी मां-बेटे ने, सारे काम खुद ही करते हैं

एजेंसी | शिकागो

किसी हादसे में या बीमारी की वजह से हाथ नहीं रहें तो लगता है कि कितनी अहमियत है इनकी। लेकिन जन्म से ही हाथ न हो तो। ऐसी ही हैं अमेरिका में रहने वाली 36 साल की लिंडा। होल्ट -ओरम सिंड्रोम के कारण बचपन से ही उनकी दोनों बाजुएं विकसित ही नहीं हुई। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। बिना हाथों के ही जिंदगी को सामान्य तरीके से जीना सीख लिया।

वे सारे काम अपने पैरों से ही करती हैं। मुश्किल तो तब बड़ी हुई जब उनका बेटा टिम हुआ। उसे भी यही विकार था, यानी उसकी भी दोनों बाजुएं विकसित नहीं हो पाई। एक लाख लोगों में से एक को यह समस्या होती है। लिंडा कहती हैं कि ऐसा लगता है कि जैसे आपको युद्ध के मैदान में बिना हथियारों के उतार दिया गया। कैसे आप पढ़ेंगे-लिखेंगे, दोस्तों को मैसेज करेंगे? इससे भी बड़ी बात आप खाएंगे-पिएंगे कैसे? ये सारे सवाल झकझोरते थे, लेकिन तय कर लिया जब ऐसे ही जीना है तो पूरी शिद्दत के साथ जीएंगे। लिंडा ने तो प्रोस्थेटिक लिंब 12 साल तक इस्तेमाल की लेकिन उन्हें लगा कि ये भी एक तरह की निर्भरता है। बस तभी से वे अपने पैरों से ही काम करती हैं।

पैरों की सहायता से नाश्ता करते लिंडा और उसका बेटा टिम।

मां का कहना है कि मैं बेटे को भी साहसी बनाना चाहती हूं

कॉफी बनाना हो, पीना हो या फिर गिटार बजाना। यहां तक कि सिलाई-कढ़ाई हो या तैराने का काम भी पैरों से ही होता है। ऐसा ही उन्होंने अपने बेटे को भी बना दिया है। लिंडा कहती हैं मैं बहुत साहसी हूं वैसा ही बेटे को भी बनाना चाहती हूं। सिर्फ एक ही काम में वह अपने पति रिक की मदद लेती है। वह है ड्रायविंग। कहीं भी जाना हो तो रिक उन्हें ड्रॉप कर देता है। रिक से उनकी मुलाकात जिम में हुई थी। लिंडा की जिंदादिली से प्रभावित हो गए थे रिक और उन्होंने ने ही उसे प्रपोज किया था।

प्रदेश की सुश्री मनस्वी व्यास को रॉयल शख्सियत अवार्ड

जयपुर। प्रदेश की जानी-मानी कलाकार कुमारी मनस्वी व्यास को नई दिल्ली के हॉटल पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में रॉयल शख्सियत अवार्ड प्रदान किया। कुमारी व्यास को हजारों श्लोक गीत आदि कंठस्थ याद होने की उनकी विलक्षण प्रतिभा के लिए यह पुरस्कार सुप्रसिद्ध टेरोकार्ड रीडर सुश्री सीमा ने प्रदान किया।

राजसमन्द जिले की नाथद्वारा निवासी कु. मनस्वी को बचपन से ही हर धर्म के सैकड़ों श्लोक-गीत आदि कंठस्थ स्मरण है और वे बिना किसी पुस्तक की मदद के उसे धारा प्रवाह सुनाती है। उनकी इस अद्भूत प्रतिभा के लिए राज्य सरकार द्वारा भी उन्हें राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम आयोजकों की ओर से श्रीमती दीप्ति शर्मा और पीयूष शर्मा ने सुश्री मनस्वी व्यास की विलक्षण प्रतिभा के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

डीपीआर से जार के पदाधिकारियों की भेंट

जयपुर। सूचना एवं जनसम्पर्क निदशेक अनिल गुप्ता से यहां जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान के पदाधिकारियों ने भेंट की।

पदाधिकारियों ने गत दिनों कोटा में आयोजित नैशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट (इण्डिया) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन के आयोजन के दौरान मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे की और दिये गये सहयोग के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

गुप्ता को पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान प्रकाशित स्मारिका और स्मृति चिन्ह भेंट किया और अधिवेशन में किये गये सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जार के प्रदेश अध्यक्ष नीरज गुप्ता, एन.यू.जे. (आई) के राष्ट्रीय सचिव धीरज गुप्ता तथा राष्ट्रीय संगठन सचिव ललित शर्मा मौजूद थे।

सुधि शुभचिंतकों की सूचनार्थ

समाज के सर्वहारा वर्ग का प्रकाशन विकलांग मंच समाज, शासन एवं नि:शक्तजनों के मध्य सेतु माध्यम का अकिंचन प्रयास है। देश के अन्य राज्यों सहित राजस्थान में नि:शक्तजनों के कल्याणार्थ किए गए कार्यों की जानकारी समाज के सामने रखने का प्रकाशन का पूरा प्रयास रहता हैं। उदारमना महानुभावों के सहयोग से व्यापक प्रसार संख्या वाले इस प्रकाशन की नि:शक्तजनों की सेवा में महती भूमिका है।

आपश्री से निवेदन है कि कृपया आप स्वयं एवं अपने परिचितों को विकलांग मंच का सदस्य (सहयोग राशि आजीवन 500/- अथवा वार्षिक 50/-रूपये मात्र) बनने के लिए प्रेरित करें। आपश्री अपनी सहयोग राशि मनीआर्डर/ डीडी/ पोस्टल आर्डर/ एट पार चेक (जो विकलांग मंच जयपुर के नाम देय हो) द्वारा निम्न पते पर भिजवा सकते हैं। इसके अलावा आपश्री अपनी सहयोग राशि भारतीय स्टेट बैंक में विकलांग मंच के खाता संख्या 32093997756 में भी सीधे जमा करा कर मोबाइल फोन 09352320013 अथवा ई-मेल vicklangmanch@gmail.com पर मैसेज (अपने डाक पते सहित) देने का अनुग्रह करें।

प्रबंधक, विकलांग मंच

8/141,मालवीय नगर, जयपुर-302 017

फोन : 0141-2547156, फैक्स : 0141-4036350

नेशनल एसोसिएशन फॉर दी ब्लाइंड की दृष्टिबाधित छात्राएं नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति मो.हामिद अंसारी को झंडा लगाते हुए।

अमेरिका की आधी युवा आबादी मधुमेह की जद में

वाशिंगटन। एक नए अध्ययन में यह चिंताजनक खुलासा हुआ है कि अमेरिका की करीब आधी युवा आबादी मधुमेह की जद में है।

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन के मुताबिक वर्ष 2012 में अमेरिका के 12 से 14 फीसदी युवा मधुमेह का शिकार थे जबकि 37 से 38 फीसदी युवाओं में मधुमेह होने का खतरा था। वर्ष 1988 से 2012 के बीच मधुमेह के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई। हालांकि 2007 से 2012 के बीच इसमें कमी देखी गई। अध्ययन के अनुसार सभी उम्र, लिंग, शैक्षिक, आय और जातीय समूह में मधुमेह के मामले बढ़े।

अध्ययन में कहा गया कि अमेरिका में लोगों में मोटापा बढ़ने के साथ ही मधुमेह बढ़ा। यूनीवर्सिटी ऑफ मिशिगन हेल्थ सिस्टम के विलियम हर्मन और एमी रॉथबर्ग ने एक संपादकीय में कहा कि हालांकि मोटापा और टाइप टू डायबिटीज अमेरिका की मुख्य स्वास्थ्य समस्या है। बहुआयामी तरीके अपनाने से मोटापा और मधुमेह के मामलों में कमी देखी गई लेकिन इसके लिए लगातार प्रयास किए जाने की जरुरत है।

अजयलीला विशिष्ट शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का शिलान्यास समारोह

सेवाभावी व्यक्ति जीवन में कहीं असफल नहीं होता:कटारिया

डॉ. देवीलाल पंवार

जयपुर। गृह मंत्री गुलाबचंद कटारिया के मुख्य आतिथ्य तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़ के विशिष्ट आतिथ्य तथा शिक्षा राज्यमंत्री वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में जोधपुर के नेत्रहीन विकास संस्थान द्वारा संचालित अजयलीला विशिष्ट शिक्षक भवन महाविद्यालय डा. अमृतलाल छगनकंवर गांधी भवन का शिलान्यास कार्यक्रम समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। श्रीगणेश प्रतिमा के समक्ष दीपप्रज्वलन कर अतिथियों ने शिलान्यास कर समारोह का शुभारंभ किया।

कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि यह संस्थान समर्पण की प्रभावी अभिव्यक्ति है। सूर्यनगर की धरती भाग्यशाली है कि यहां दानदाता, उदारमना लोग अनेक संस्थाओं को संचालित करने में अग्रणी हैं। नेत्रहीन, मूक बधिर बच्चों को संभालना पुण्य है व जन्मों तक यह पूंजी बनी रहेगी। श्रीमती सुशीला बोहरा ऐसी ही उदारमना महिला हैं। यहां की प्रतिभाएं निखरी हैं व धरातलीय व कर्म के साथ इनको मदद दी गई है। उन्होंने कहा कि सेवाभावी व्यक्ति जीवन में कहीं असफल नहीं होता। यह देश आज भी सेवाभावी लोगों से विभूषित है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार व मुख्यमंत्री से आग्रह करके इस संस्था को हर संभव सहायता के लिए निवेदन किया जाएगा। इस संस्था के भवन के लिए भी राज्य सरकार की ओर से सहायता भी दिलाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अनुदानित संस्थाओं की

समस्याओं के लिए अब पूर्व मनोयोग से निवारण के प्रयास किए जाएंगें।

समारोह के विशिष्ट अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्रसिंह राठौड़ ने कहा कि यहां की प्रतिभाओं को देखकर महसूस होता है कि निखारने वाले हाथ, वात्सल्य व दानदाताओं का योगदान सार्थक है। उन्होंने कहा कि 1980 से राष्ट्रीय अंधता निवारण चल रहा है। पिछले वर्ष 2 लाख से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन हुए तथा इस दिशा में सार्थक प्रयास हुए हैं। उन्होंने संस्थान अध्यक्ष श्रीमती सुशीला बोहरा की प्रशंसा करते हुए कहा कि 1979 में 2 बच्चों से शुरू इस संस्था अब 500 से ज्यादा विद्यार्थियों का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने बताया कि दानदाता पुरूषोतम सहारिया की ओर से 2 लाख 51 हजार रूपए संस्था को प्रेषित करवाए जाएंगे।

शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि सेवा पुण्य का कार्य है और विशेष रूप से नेत्रहीन बालक-बालिकाओं को शिक्षित करके सेवा करना मानव सेवा है। नेत्रहीन विकास संस्थान स्कूली शिक्षा से महाविद्यालय शिक्षा तक पहुंच बनाने वाली राज्य की अनुपम संस्थान है। नेत्रहीन विकास संस्थान में शिक्षकों की कमी को पूरा कर यहां प्रतिनियुक्ति पर तुरंत शिक्षक भी लगाए जाने की उन्होंने घोषणा भी की। उन्होंने उदारमना, दानदाताओं और समाजसेवी संस्थाओं का आह्वान किया कि इस तरह की संस्थाओं को मुक्त हृदय से प्रोत्साहन देना चाहिए। यह एक नहीं कई जन्मों तक पुण्य का लाभ प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नेत्रहीनों व निशक्तजनों की शिक्षा के लिए सजगता से कार्य कर रही है तथा नेत्रहीन विकास संस्थान के लिए हर संभव सहायता दी जाएगी।

सांसद गजेन्द्रसिंह शेखावत ने कहा कि दान समय की मांग व अनुकूलता के आधार पर देना ही न्यायोचित है। उन्होंने इस संस्थान के लिए सांसद कोष से अपनी ओर से एक कक्ष बनाने की घोषणा की। विधायक श्रीमती सूर्यकांता व्यास भी समारोह में उपस्थित थी। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से आये अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

समारोह में दानदाता सुरेश गांधी द्वारा 51 लाख रुपए संस्था को देने पर उनकी माता श्रीमती छगनकंवर को शॉल ओढ़ाकर तथा स्वयं सुरेश गांधी को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि ने साफा, शॉल व स्मृतिचिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया। दानदाता दिलीप सुराणा को मुख्य अतिथि ने साफा व माल्यार्पण, विशिष्ट अतिथि ने स्मृतिचिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया। दानदाता अनिल बोहरा को 11 लाख रुपए दान देने पर साफा, माल्यार्पण, स्मृतिचिन्ह व शॉल द्वारा सम्मानित किया गया। दानदाता सुखराज मेहता को एक कमरा निर्माण के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में नेत्रहीन विकास संस्थान के प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया गया। संस्थान के आर्किटेक्ट राजेश बोहरा को भवन निर्माण सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

नेत्रहीन विद्यालय छात्र-छात्राओं ने आदिल काफिल के बीर रस की कविता से वातावरण को जोश से भर दिया। जीना है तो है उसी का जिसने ये राज जाना सहित विभिन्न कव्वालियों से संस्थान के नेत्रहीन बच्चों ने प्रस्तुत कर अभिभूत कर दिया। संस्थान की नन्ही बालिका रूचिका ने तू कितनी अच्छी है गीत से भाव विभोर कर दिया।

समारोह में मुख्य अतिथि व अन्य विशिष्ट अतिथियों का माल्यार्पण कर और स्मृतिचिन्ह प्रदान कर अभिनंदन किया गया।

सूर्य प्रतिदिन निकलता है और डूबते हुए, आयु का एक दिन छीन ले जाता है। पर माया- मोह में डूबे मनुष्य समझते नहीं कि उन्हें यह बहुमूल्य जीवन आखिर क्यों मिला?